# रणजीत टाइम्स

इंदौर

सोमवार , 27 अप्रैल, 2026

वर्ष 02 | अंक 105 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे


# भोपाल में 8वीं तक के सभी स्कूल बंद

● इंदौर-ग्वालियर-उज्जैन में भी छुट्टी, 22 जिलों में लू का अलर्ट, 3 दिन बारिश के आसार

**भोपाल।** मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ रही है। ग्वालियर, चंबल, सागर और रीवा संभाग में पारा चढ़ा हुआ है, जबकि मालवा-निमाड़ यानी, इंदौर-उज्जैन के साथ भोपाल, नर्मदापुरम में भी सूरज के तीखे तेवर हैं। राजधानी भोपाल जिला प्रशासन ने आठवीं तक के स्कूल बंद करने के निर्देश दिए हैं। शनिवार को 6 शहरों में पारा 44 डिग्री या इससे अधिक पहुंच गया। खजुराहो प्रदेश में सबसे ज्यादा 44.6 डिग्री रहा। रविवार को ग्वालियर समेत 22 जिलों में

हीट वेव यानी, लू का अलर्ट है। दूसरी ओर, 27 अप्रैल से 3 दिन तक प्रदेश में गरज-चमक और बारिश होने के आसार है। रविवार को जिन जिलों में लू की चेतावनी है, उनमें ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, डिंडौरी, मंडला, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, रायसेन, नर्मदापुरम, नीमच, मंदसौर, रतलाम, झाबुआ, धार और अलीराजपुर शामिल हैं।

## खजुराहो सबसे गर्म, ग्वालियर-उज्जैन में 43 डिग्री पहुंचा

इससे पहले शनिवार को आसमान से जैसे आग बरसी। 6 शहरों में पारा 44 डिग्री या इससे अधिक पहुंच गया। छतरपुर जिले का खजुराहो सबसे गर्म रहा। यहां अधिकतम तापमान 44.6 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, खजुराहो के बाद रतलाम में पारा 44.5 डिग्री दर्ज किया गया। दतिया-धार में 44.1 डिग्री, नौगांव-श्योपुर में 44 डिग्री, टीकमगढ़-मंडला में 43.8 डिग्री, दमोह में 43.6 डिग्री, उमरिया में 43.5 डिग्री, नर्मदापुरम में 43.4 डिग्री, गुना-सतना में 43.3 डिग्री, सीधी में 43.2 डिग्री, सागर में 43.1 डिग्री, रीवा-मलाजखंड में 43 डिग्री, रायसेन में 42.8 डिग्री, खरगोन में 42.4 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, बड़े शहरों में ग्वालियर-उज्जैन में पारा 43 डिग्री पहुंच गया। भोपाल में 42.4 डिग्री, इंदौर में 42.2 डिग्री और जबलपुर में तापमान 42.6 डिग्री रहा।

# सऊदी अरब के बाद अबू धाबी पहुंचे एनएसए

● भारत के चाणक्य अजीत डोभाल का खाड़ी मिशन जारी ● राष्ट्रपति जाएद अल नाह्यान से मुलाकात, तालमेल पर चर्चा

**अबू धाबी (एजेंसी)।** मध्य पूर्व में तनाव के बीच भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल अबू धाबी पहुंचे हैं। शनिवार 25 अप्रैल को उन्होंने यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जाएद अल नाह्यान से मुलाकात की है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बैठक में दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय स्थिरता और पश्चिम एशिया में चल रहे भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा की। बैठक का मुख्य जोर सुरक्षा चिंताओं, आर्थिक हितों के साथ ही इजरायल-ईरान युद्ध के बाद क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बीच आपसी तालमेल पर था।

## खाड़ी में भारत तेज कर रहा पहुंच

एनएसए अजीत डोभाल का यह दौरा भारत की खाड़ी देशों तक पहुंच बनाने की कोशिश का हिस्सा है, जिसे अमेरिका और ईरान में बढ़ते तनाव के बीच तेज कर दिया गया है। इसके पहले 20 अप्रैल को डोभाल ने सऊदी अरब की यात्रा की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर की गई इस यात्रा में सऊदी अरब के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठकें हुई थीं। इसमें ऊर्जा और विदेश मामलों के मंत्रियों के साथ ही सुरक्षा अधिकारियों के साथ मुलाकातें शामिल थीं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यात्रा के बारे में जानकारी देते हुए बताया था कि प्रधानमंत्री के निर्देश पर खाड़ी देशों में हमारा आउटरीच जारी है।

# आसमान से बरस रही आग

## '47 पार' पारा

● उत्तर भारत में बुरा हाल, हीटवेव करेगी परेशान
● यूपी, दिल्ली, एमपी और राजस्थान में रेड अलर्ट

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** यूपी, दिल्ली, राजस्थान, पंजाब और एमपी में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। अप्रैल के अंतिम सप्ताह में ही तापमान सामान्य से पांच डिग्री से अधिक ऊपर पहुंच गया है। कई इलाकों में दिन के समय सड़कें और बाजार सुनसान नजर आ रहे हैं। सड़कों पर कम लोग नजर आ रहे हैं। पहाड़ी क्षेत्र भी गर्मी की चपेट में हैं। उत्तर प्रदेश के बांदा जिले में शनिवार को देश का सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया। यहां अधिकतम तापमान 47.4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो सामान्य से 6.2 डिग्री अधिक है। यह न

केवल यूपी बल्कि पूरे देश में इस मौसम का सबसे ऊंचा पारा है। उत्तराखंड के ऊधमसिंह नगर में तो वर्ष 2009 के बाद पहली बार अप्रैल में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचा है। इस बीच मौसम विभाग ने जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में और लू चलने की चेतावनी जारी की है। अगले दो-दिन तक गर्मी झुलसाएगी।

## उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में रातें गर्म रहेंगी

आईएमडी ने यह भी संकेत दिया है कि जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में आने वाले दिनों में लू चलने के आसार हैं। साथ ही कहा कि उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में रातें गर्म रहेंगी और तटीय व पूर्वी क्षेत्रों में मौसम गर्म और उमस भरा रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने एक अधिकारी ने बताया कि उत्तर-पश्चिम भारत में अधिकतम तापमान में 27 अप्रैल तक कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा, इसके बाद धीरे-धीरे गिरावट आएगी। प्रेट्र के अनुसार, आईएमडी ने लोगों से सीधी धूप में लंबे समय तक रहने से बचने खासकर दोपहर के दौरान दी है।

# बंगाल में अकेली पड़ी कांग्रेस: ममता के साथ खड़े हुए सोरेन और तेजस्वी; केजरीवाल करेंगे प्रचार

**कोलकाता।** जो कभी 'अपने' थे, आज 'बेगाने' हो गए हैं। मौजूदा बंगाल विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को ऐसी बेरुखी का सामना करना पड़ रहा। 2024 के लोकसभा चुनाव के समय गठित आईएनडीआईए ब्लॉक में शामिल कोई भी दल उसके साथ नहीं है, जबकि इनमें से कई तृणमूल कांग्रेस के लिए आगे बढ़कर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। बंगाल में पहली सरकार गठित करने वाली कांग्रेस अभी हाशिये पर है। 2021 के विधानसभा चुनाव में वह एक सीट तक नहीं जीत पाई। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी राज्य में उसका एक ही सांसद बचा।

यह चुनाव उसके लिए फिर से उठ खड़े होने की लड़ाई है। कांग्रेस ने अबकी बार वाममोर्चा को बैसाखी न बनाकर अपने बूते चुनाव लड़ने की बड़ी चुनौती ली है अर्थात वामपंथियों से उसने खुद ही किनारा कर लिया। दूसरी तरफ बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी होने के कारण तृणमूल का उसका प्रतिद्वंद्वी बन जाना स्वाभाविक है, लेकिन आइएनडीआइए के ऐसे कई दल हैं, जिन्होंने कांग्रेस से मुंह फेर रखा है। झारखंड के मुख्यमंत्री व झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रमुख हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना ने बंगाल के आदिवासी इलाकों में आकर तृणमूल के समर्थन में प्रचार किया लेकिन कांग्रेस की सुध नहीं ली जबकि कांग्रेस झारखंड में हेमंत सोरेन की सरकार में शामिल है। राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख तेजस्वी यादव भी ममता बनर्जी की पार्टी के लिए प्रचार कर चुके हैं। मालूम हो कि गत बिहार विधानसभा चुनाव राजद व कांग्रेस ने साथ मिलकर लड़ा था, हालांकि सफलता नहीं मिल पाई थी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल भी बंगाल के लोगों से ममता दीदी के लिए वोट की अपील करने रविवार को कोलकाता आएंगे।

# विश्व मलेरिया दिवस के अवसर पर कार्यशाला का हुआ आयोजन

**प्रदीप सिंह बघेल**

शहडोल । विश्व मलेरिया दिवस के अवसर डॉ आर.के.शुक्ला जिला स्वास्थ्य अधिकारी की अध्यक्षता में आई-पी-पी- 06 सभाकक्ष में कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विश्व मलेरिया दिवस का मुख्य उद्देश्य मलेरिया की रोकथाम एवं नियंत्रण हेतु प्रभावी क्रियान्वयन, जन-जागरूता विभिन्न स्तरों पर आयोजित कर लोगों

को मलेरिया रोग के प्रति जागरूक करना है। उन्होनें बताया कि सतर्कता ही बचाव है इसके लिए हमे प्रचार-प्रसार के साथ-साथ अन्य सहयोगी विभाग जैसे महिला बाल विकास, पंचायत ,ग्रामीण एवं शहरी विकास, नगरीय प्रशासन वन विभाग,कृषि विभाग,शिक्षा विभाग आदि से समन्वय स्थापित कर मलेरिया उन्मूलन हेतु मिलकर प्रयास करना होगा। विश्व मलेरिया दिवस में दी गई थीम के अनुसार शपथ ली गई- अब हम कर सकते है। अब हमें करना ही होगा।

जिला मलेरिया अधिकारी द्वारा बताया गया कि मलेरिया रोग सक्रंमित मादा एनाफिलीज मच्छरों के काटने से फैलती है , जिसमें ठण्ड देकर बुखार उल्टी,बेचौनी,सिर दर्द आदि लक्षण हो पायें जाते है। इसकी जांच समस्त शासकीय अस्पातालों, उप. स्वा. केन्द्र एवं ग्राम की आशा के पास जांच एवं उपचार निरूशुल्क उपलब्ध है। मच्छरों के काटने से बचने हेतु सोते समय मच्छरदानी आवश्य लगावें एवं अपने घर के आस-पास साफ-सफाई रखें,अनावश्यक पानी को जमा न होने देवें ,ताकि मच्छरों को पनपने से रोका जा सकें।

जिला व्हीं.बी.डी. सलाहकार द्वारा बताया गया कि जिलें में निरंतर सर्वलेंस (बुखार की रोगियों की जांच) एवं समय पर उपचार के कारण मलेरिया सकारात्मक केसों में कमी पाई गई है, सभी आम जन से अपील है कि मच्छरों से फैलने वाले बीमारी से बचाव हेतु रात को पूरी आस्तीन के कपडें पहनकर सोये, सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें, ठहरें हुये पानी की निकासी करावें, या जला ऑयल, या पानी को ढककर रखें, दरवाजों और खिडकियों में मच्छररोधी जाली लगावें।

कार्यशाला मे जिला स्वास्थ्य अधिकारी द्वारा मलेरिया एवं फायलेरिया कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदाय किया गया। इस अवसर पर डॉ. सुनील स्थापक जिला टीकाकरण अधिकारी/मुख्य खण्ड चिकित्सीय अधिकारी सिहंपुर,जिला मलेरिया अधिकारी श्री एच-पी- नामदेव, शिव शंकर शुक्ला जिला व्ही-बी-डी-सलाहकार, श्री राम गोपाल गुप्ता जिला कम्युकनिटी मोबिलाईजर, रीतू चौबे ए.पी.एम,जिलें के सभी विकासखण्ड एवं अर्बन क्षेत्र के स्वास्थ्य कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता एवं मलेरिया विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहें ।

# रेत लोड वाहन ने चौकीदार को कुचला मौके पर हुई मौत

**प्रदीप सिंह बघेल**

शहडोल । जिले में रेत का ठेका नहीं होने के चलते अवैध उत्खनन जारी है। रेत की मांग और कमी के कारण माफिया बेलगाम हो चुके हैं, जिसका खामियाजा लोगों को जान देकर चुकाना पड़ रहा है। ताजा मामला सोहागपुर थाना क्षेत्र का है, जहां रेत लोड वाहन ने चौकीदार को कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, बैजनाथ सिंह के प्लॉट में निर्माण कार्य चल रहा था, जहां 40 वर्षीय अशोक कुमार कहार (बर्मन) चौकीदारी के साथ-साथ राज मिस्त्री का काम भी करता था। बीती रात अशोक प्लॉट में ही सो रहा था। इसी दौरान देर रात रेत डंप करने के लिए एक छोटा ट्रक वहां पहुंचा। चालक ने सोते हुए चौकीदार को नहीं देखा और सीधे उसके ऊपर गाड़ी चढ़ा दी। हादसा इतना भयावह था कि अशोक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सुबह जब आसपास के लोगों को घटना की जानकारी लगी, तो हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही सोहागपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची, शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि वाहन चालक कौन था और घटना के पीछे लापरवाही या अवैध रेत परिवहन की क्या भूमिका रही। गौरतलब है कि जिले में रेत माफिया के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे न सिर्फ अवैध उत्खनन कर रहे हैं, बल्कि अधिकारियों को भी धमकाने से बाज नहीं आ रहे। ऐसे में यह घटना प्रशासन के लिए भी एक बड़ा सवाल खड़ा करती है कि आखिर कब तक रेत माफिया का यह खेल यूं ही चलता रहेगा?

# करेरा में प्रशासन की बड़ी कार्यवाही लगातार 6 घंटों में अवैध गुटखा प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और भंडारण की कई फैक्ट्री यूनिट सील

करेरा। जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ जिला कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देशन एवं SDM करेरा अनुराग निंगवाल के नेतृत्व में प्रशासन ने बड़ी कार्यवाही करते हुए गुटखा निर्माण के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ किया है। करेरा तहसील अंतर्गत ग्राम टीला स्टेडियम के पास संचालित एक अवैध गुटखा प्रोसेसिंग फैक्ट्री पर छापामार कार्रवाई कर उसे सील कर दिया गया।

जानकारी के अनुसार, उक्त स्थान के पास ही एक अन्य तंबाकू स्टोर और गोदाम भी संचालित पाया गया। तस्दीक करते हुए संयुक्त दल करीबन 10-12 किलोमीटर दूर अमोला कॉलोनी नंबर 2 में स्थित एक अन्य गोदाम तक पहुंचा जिसमे इस पूरे अवैध गुटखा पैन मसाला की पैकेजिंग फैक्ट्री यूनिट चलाई जा रही थी जिसे भी सील किया गया।

6 घंटों की सतत कार्रवाई के दौरान प्रशासन ने मौके से गुटखा बनाने वाली 11 से अधिक मशीनें, दो लोडिंग वाहन, एक आईसर वाहन तथा केमिकल से भरे कई ड्रम को गोदाम में सुरक्षित रखकर सील कर दिया गया। यह संयुक्त कार्रवाई जॉइंट कलेक्टर एवं एसडीएम अनुराग निंगवाल, एसडीओपी आईपीएस आयुष जाखड़, तहसीलदार ललित शर्मा एवं खाद्य सुरक्षा अधिकारी आशुतोष मिश्रा की टीम द्वारा की गई। अधिकारियों ने फूड सेफ्टी एक्ट 2006 के तहत कार्रवाई करते हुए संबंधित गोदामों को सील कर दिया। प्रशासन का कहना है कि अवैध गुटखा निर्माण और भंडारण के खिलाफ यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया है और अवैध कारोबारियों में डर का माहौल बना हुआ है।

# दुर्लभ अग्नि तपस्या ने छितरी ग्राम को बनाया आस्था का केंद्र

**हेमंत भार्गव**

करैरा (शिवपुरी): करैरा नगर से लगभग 20 किलोमीटर दूर स्थित छितरी ग्राम इन दिनों गहरी आस्था और भक्ति का केंद्र बना हुआ है। यहां के प्राचीन मठ मंदिर में एक संत द्वारा की जा रही कठिन अग्नि तपस्या लोगों के आकर्षण का प्रमुख कारण बन गई है। इस अनोखे आध्यात्मिक दृश्य को देखने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं। मठ मंदिर परिसर में संत चारों ओर जलती अग्नि के बीच बैठकर कठोर साधना कर रहे हैं। यह तपस्या अत्यंत दुर्लभ और कठिन मानी जाती है, जिसे देखने के लिए प्रतिदिन श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ रही है। गांव का शांत माहौल अब मेले जैसे दृश्य में बदल चुका है। स्थानीय श्रद्धालुओं का कहना है कि उन्होंने इस प्रकार की तपस्या पहले कभी नहीं देखी। लोगों के अनुसार, यह उनके लिए एक अद्भुत और सौभाग्यपूर्ण अनुभव है। एक श्रद्धालु ने बताया, "हम खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि हमें यह दिव्य दृश्य देखने का अवसर मिला।" मान्यता है कि अग्नि तपस्या आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक उन्नति का एक माध्यम होती है। संत पूरी निष्ठा और नियमों के साथ साधना में लीन हैं, वहीं ग्रामीण भी सेवा और व्यवस्थाओं में सक्रिय सहयोग दे रहे हैं। इस अद्भुत संगम ने छितरी ग्राम को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया है, और यह दृश्य लोगों के बीच श्रद्धा और विश्वास को और मजबूत कर रहा है। 40 दिन की यह कठोर अग्नि तपस्या लोगों के आस्था का केंद्र बिन्दु बना हुआ है जिसका आज पहला दिन था ।

रणजीत टाइम्स



# महेंद्र को बनाया अपेक्स बैंक का अध्यक्ष, समर्थकों ने बांटी मिठाई

दिव्यानंद अर्गल

**ग्वालियर । वरिष्ठ बीजेपी नेता महेंद्र सिंह यादव को राज्य सहकारी बैंक मर्यादित (अपेक्स बैंक) का प्रशासक (अध्यक्ष) नियुक्त किया गया है। इस महत्वपूर्ण नियुक्ति की खबर मिलते ही ग्वालियर में उनके समर्थकों और प्रशंसकों में खुशी की लहर दौड़ गई । महेंद्र सिंह यादव को अपेक्स बैंक की कमान सौंपे जाने पर ग्वालियर के थाटीपुर क्षेत्र में उनके प्रशंसकों द्वारा भव्य रूप से मिष्ठान वितरण किया गया। समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई ।**

थाटीपुर क्षेत्र में आयोजित इस खुशी के मौके पर मुख्य रूप से अर्जुन मोटर्स के संचालक दिवाकर पचौरी और उत्तम हॉस्पिटल के संचालक ध्रुव यादव के साथ-साथ संजय यादव, आशु श्रीवास, पुरुषोत्तम टमोटिया, अविनाश यादव, पवन भदौरिया, शैलू गुर्जर, योगेश शर्मा सहित कई अन्य साथी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने यादव को नई जिम्मेदारी मिलने पर बधाइयां दीं और उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

# अबैध रेत परिवहन का खेल जारी खुलेआम हो रही कालाबाजारी

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल जिले के अंतिम छोर पर देवलौंद थाना क्षेत्र में अवैध खनन और परिवहन का खेल खुलेआम जारी है। यहां ट्रैक्टर-ट्रॉली और ट्रक दिनदहाड़े रेत निकालकर सड़कों पर खुलेआम दौड़ रहें है l क्योंकि शहडोल जिले में रेत का ठेका अभी तक नहीं हो पाया है जिसका लाभ रेत माफियायों द्वारा जमकर उठाया जा रहा है l इसी कड़ी में देवलौंद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए ग्राम सुखाड़ चेक पोस्ट के पास एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त किया है, जो अवैध रूप से रेत का उत्खनन कर परिवहन कर रहा था। पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना पर यह कार्रवाई की गई। मामले में आरोपी राजेंद्र कुमार के खिलाफ खनिज अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

हालांकि, स्थानीय लोगों का आरोप है कि यह कार्रवाई महज औपचारिकता है, जबकि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध खनन लगातार जारी है। लोगों का कहना है कि पूर्व में एक पटवारी की हत्या जैसे गंभीर मामले के बाद भी खनन माफिया बेखौफ सक्रिय हैं। स्थानीय नागरिकों ने पुलिस और खनिज विभाग के अधिकारियों पर मिलीभगत के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि माफियाओं से मोटी रकम लेकर उन्हें संरक्षण दिया जा रहा है, जिससे अवैध कारोबार पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि स्थानीय वन अमला , खनिज विभाग और पुलिस की कथित मिलीभगत के चलते यह अवैध कारोबार चरम पर पहुंच गया है, जिससे शासन को राजस्व का नुकसान हो रहा है और पर्यावरण पर भी गंभीर असर पड़ रहा है।

# राज्य एवम राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा संपन्न,1323 अभ्यर्थि हुए शामिल

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा ओएमआर पद्धति से प्रातः 10 बजे से 12 बजे एवं दोपहर 2:15 से 4:15 बजे तक दो सत्रों में शहडोल जिले के 05 परीक्षा केन्द्रो में सुरक्षा व्यवस्था के बीच व्यवस्थित रूप से आयोजित की गई। परीक्षा में कुल 1767 अभ्यर्थियों में से 1323 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी एवं 444 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा केंद्र शासकीय बालक हाई स्कूल रीवा रोड जयस्तंभ चौक शहडोल में 400 में से 308, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या हायर सेंकेण्डरी विद्यालय गांधी चौक 350 मे से 263, शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल जयस्तंभ चौक हेतु 300 में से 228, शासकीय कन्या हायर सेकेंडरी स्कूल दुर्गा मंदिर स्टेडियम रोड में 350 में से 244, शासकीय इंदिरा गांधी कन्या महाविद्यालय पांडवनगर में 367 में से 280 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। शहडोल में बनाए गए विभिन्न परीक्षा केंद्रों का संभागीय परीक्षा पर्यवेक्षक श्री राम गोपाल प्रजापति एवं कलेक्टर डॉ. केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक श्री रामजी श्रीवास्तव ने निरीक्षण कर परीक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

# विधुर नगर में एक हजार 182 किलोग्राम अवैध भांग बरामद

आदित्य शर्मा

आरोपी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशन एवं सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के मार्गदर्शन में आबकारी विभाग द्वारा मुखबिर की सूचना के आधार पर आज 25 अप्रैल 2026 को विधुर नगर क्षेत्र में प्रभावी कार्रवाई की गई।

कार्यवाही के दौरान आरोपी संजय मिश्रा के निवास 102-B, विधुर नगर पर दबिश दी गई। जहाँ से अवैध रूप से संग्रहीत भांग बुरादा बरामद किया गया। मौके से कुल एक हजार 182 किलोग्राम भांग बुरादा आरोपी के कब्जे से जप्त किया गया,जिसका अनुमानित बाजार मूल्य 2 लाख 36 हजार 400 रुपए है। उक्त प्रकरण में आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत मामला पंजीबद्ध कर विधिसम्मत कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है। यह कार्रवाई कंट्रोलर श्री देवेश चतुर्वेदी, डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल, सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री राघवेंद्र कुशवाह एवं

श्री कमलेश सोलंकी (उड़न दस्ता प्रभारी) के नेतृत्व में संपन्न हुई। कार्यवाही में आरक्षक श्री मुकेश रावत एवं श्री अजय का विशेष योगदान रहा।

# अवैध रेत परिवहन पर विभाग सख्त रेत सहित वाहन जब्त

प्रदीप सिंह बघेल

शहडोल । कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशानुसार शहडोल जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन परिवहन एवं भंडारण की रोकथाम हेतु खनिज विभाग द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी अनुक्रम में जिला खनिज अधिकारी श्री राहुल शांडिल्य ने जानकारी दी है कि व्यौहारी एवं सोहागपुर तहसील क्षेत्रों में जांच की गई। तहसील ब्यौहारी अंतर्गत ग्राम-रसपुर झापर नदी से रेत के अवैध उत्खनन/परिवहन की शिकायतें प्राप्त हो रहीं थीं। उक्त शिकायतों को संज्ञान में लेकर खनिज विभाग के द्वारा संबधित क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया गया। जांच के दौरान ग्राम रसपुर तहसील व्यौहारी में महिन्द्रा ट्रैक्टर बिना नंबर का जिसका चेचिस क्रमांक MBNAAAEXAKJA04378 की जांच की गई । वाहन में लोड़ खनिज रेत के परिवहन से संबंधित वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं करने पर वाहन चालक के कब्जे से वाहन मय खनिज रेत जब्त कर वाहन को शासकीय अभिरक्षा थाना ब्यौहारी में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया। इसी प्रकार ग्राम निपनिया, तहसील सोहागपुर में खनिज रेत का अवैध उत्खनन/परिवहन करते पाए गए वाहन मेटाडोर बिना नंबर जिसका चेचिस क्र. MAT786009R7H14306 को जांच हेतु रोका गया। वाहन चालक द्वारा वाहन में लोड़ खनिज रेत के परिवहन से संबंधित वैधानिक

दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किये गये। वाहन को मय खनिज रेत को जप्त कर थाना सोहागपुर की अभिरक्षा में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया। संबंधित वाहन चालकों एवं स्वामियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर आवश्यक कार्यवाही की गई है l

# जनगणना 2026: अब पूरी तरह डिजिटल, 'स्व-गणना' के जरिए नागरिक खुद बनेंगे राष्ट्र निर्माण का हिस्सा

**महेन्द्र मालवीय रणजीत टाईम्स**

ख़कनार:बुरहानपुरः आगामी जनगणना प्रक्रिया में इस बार एक क्रांतिकारी बदलाव किया गया है। अब जनगणना का कार्य पूरी तरह से 'पेपरलेस' (कागज रहित) और डिजिटल मोड में संपन्न होगा। इस पहल का मुख्य उद्देश्य कम समय में डेटा का तीव्र और सटीक संकलन करना है, ताकि भविष्य की सरकारी नीतियां अधिक प्रभावी ढंग से बन सकें।

स्व-गणना' तकनीक और पारदर्शिता का मेल

इस बार की जनगणना में सबसे महत्वपूर्ण नया विकल्प *'स्व-गणना' (Self-Enumeration)* जोड़ा गया है। इस विषय पर वरिष्ठ अध्यापक और जनगणना कार्य हेतु नियुक्त फील्ड ट्रेनर गोपाल बारी ने महत्वपूर्ण स्पष्टीकरण जारी किया हैः स्वैच्छिक और सरलः फील्ड ट्रेनर गोपाल बारी ने स्पष्ट किया कि स्व-गणना अनिवार्य नहीं है। यह एक पूर्णतः स्वैच्छिक प्रक्रिया है, जो विशेष रूप से उन शिक्षित परिवारों के लिए है जो स्वयं अपनी जानकारी दर्ज करने में सक्षम हैं। आईडी (ID) का महत्वः

यदि कोई व्यक्ति अपनी स्व-गणना पूरी कर

लेता है, तो उसे एक विशिष्ट आईडी (AC ID) मिलेगी। प्रगणक के घर आने पर यह आईडी दिखाने से गणना प्रक्रिया बेहद सरल हो जाएगी।

चिंता मुक्त प्रक्रियाः* बारी ने नागरिकों को आश्वस्त किया कि यदि कोई व्यक्ति अपनी स्व-गणना आईडी भूल जाता है, तो भी चिंता करने की आवश्यकता नहीं है; ऐसे मामलों में प्रशासन द्वारा पुनः गणना की पूरी सुविधा दी गई है।

सटीकता की प्राथमिकताः* त्रुटि सुधार के संबंध में गोपाल बारी ने बताया कि प्रगणकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वे स्व-गणना डेटा को भी सावधानीपूर्वक क्रॉस-चेक करें। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य एक पारदर्शी और सुव्यवस्थित जनगणना सुनिश्चित करना है, जिसमें नागरिकों की सुविधा और डेटा की शुद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

सटीक डेटा से होगा विकास का मार्ग प्रशस्त

फील्ड ट्रेनर वीरेंद्र पवार ने बुरहानपुर में बताया कि 16 से 30 अप्रैल के बीच नागरिक पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। यह आंकड़े शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे (सड़कों, जल प्रदाय) जैसी जनहितकारी योजनाओं के सटीक आवंटन में आधार स्तंभ बनेंगे।

बुरहानपुर में प्रशासनिक तैयारियां जोरों पर

खकनार तहसील में जनगणना की तैयारियों को लेकर प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है। तहसीलदार रविंद्र सिंह मंडलोई ने जानकारी दी कि खकनार के उत्कृष्ट विद्यालय में 264 कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया है।

कार्य का वितरणः प्रत्येक प्रगणक को लगभग 200 से 300 मकानों की जिम्मेदारी दी गई है। यह सुनिश्चित किया गया है कि किसी भी प्रगणक पर 900 से अधिक जनसंख्या का भार न हो, ताकि शत-प्रतिशत डेटा कवरेज सुनिश्चित हो सके।

आम जनता से अपील

प्रशासन ने जनता से अनुरोध किया है कि जनगणना के 34 महत्वपूर्ण प्रश्नों का सही-सही उत्तर दें। पोर्टल पर दी गई जानकारी पूरी तरह सुरक्षित है। नागरिकों का यह सहयोग ही राष्ट्र निर्माण और भविष्य की सटीक नीतियों के निर्माण की वास्तविक आधारशिला है।

# मानव जीवन के उद्देश्य को समझें सहजयोग ध्यान पद्धति से

26 जनवरी 1979, बोरीवली, मुंबई में अपने एक प्रवचन में श्री माताजी ने कहा था, "शायद आप नहीं जानते हैं कि परमात्मा ने आपको क्यों बनाया और कभी आप सोचते भी नहीं है परमात्मा ने इतनी मेहनत करके आपको इतना सुन्दर क्यों बनाया, आपको मनुष्य क्यों बनाया परमात्मा ने, इस पर भी आप गौर नहीं करते हैं क्योंकि आपके पास समय ही नहीं है कि यह सोचें कि हम क्या हैं, हम किसलिए संसार में आये हैं, हमारा क्या कार्य है। अगर मैं कहूँ आपसे कि अपने अंदर की ओर झांकिए, अपने को देखिये तो आप अपने को नहीं देखते हैं, आप कहेंगे कि माँ ये किस तरह से होता है, किस तरह से अंदर जायें, हम तो आपकी बात सुन रहे हैं, आप बाहर हैं, आपको देख रहे हैं लेकिन हमसे आप कहें कि अंदर की ओर जायें, ये बड़ा मुश्किल कार्य है।"

"अंदर की ओर जायें, ये बड़ा मुश्किल कार्य है।", यह बात हर साधक के मन में आ सकती है। सचमुच यह मुश्किल कार्य ही है लेकिन असंभव नहीं। माँ कभी अपने बच्चों से असंभव कार्य करने को नहीं कहेगी। बल्कि उस असंभव कार्य को संभव कैसे करना है यह सिखायेगी। सहज योग यही ध्यान पद्धति है। परमपूज्य श्री माताजी प्रणित सहज योग से साधकों ने यह समझा है कि हम ईश्वर की सर्वोत्तम सृष्टि हैं और ईश्वर ने हमें अपने स्वरूप में ही निर्मित किया है। ईश्वर यह चाहते हैं कि हम ईश्वर की इस सृष्टि को, इस ब्रम्हांड को सुंदरतम बनायें, आपस में स्नेह और सद्भावना रखें। अपने प्रतिबिंब मानवमात्र से ईश्वर की यही अपेक्षा है कि हम उनके प्रतिनिधि की तरह इस संसार में जीये। अपने किसी और सृष्टि से ईश्वर को यह अपेक्षा नहीं है। ईश्वर का प्रतिबिंब मानव अपने को तभी समझ सकता है जब वो स्वयं को देख सके, अपने आत्मज्ञान को प्राप्त कर सके। सहज योग में आत्मसाक्षात्कार के उपरांत जब कुंडलिनी शक्ति जागृत होती है तब हमारा सहस्त्रार खुलता है, हम इस विराट में फैले चैतन्य को महसूस करने लगते हैं। यह एक अद्भुत, सुंदर और अविश्वसनीय सत्य है। जिस प्रकार सागर में यदि कटोरी भर रंग डाला जाये तो रंग का अस्तित्व ही समाप्त हो जायेगा। उसी प्रकार हमारी आत्मा भी सागर की तरह है जिसमें दिव्य प्रकाश है। जब यह प्रकाश रुपी सागर हमारे मस्तिष्क में गिरता है तब मस्तिष्क का अपना स्वरूप आध्यात्मिक हो जाता है और हम ईश्वरीय साम्राज्य में प्रवेश करने की पात्रता पा लेते हैं। जो लोग ध्यान धारणा करते हैं, समर्पण करते हैं, गहनता में उतरते हैं वे वृक्ष की जड़ों की तरह गहनता में प्रवेश पाते हैं और ऐसे व्यक्ति का सभी अनुसरण करते हैं। जब हम इस आत्म स्थिति को पा लेते हैं तब हमें पूजा या किसी भी विधि विधान या कर्मकांड की आवश्यकता नहीं रह जाती है। हम पूर्ण निरानंद की स्थिति में शांति प्राप्त करने लगते हैं। 'मैं' से उपर उठ जाते हैं। अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं। सहज योग पूर्णतया निशुल्क है।

## बुरहानपुर के खकनार में फिर गरमाया

# 'नकली नोट' का मुद्दा: फसल बेचने आए किसान को थमाए 500 के नकली नोट

**महेन्द्र मालवीय रणजीत टाईम्स**

बुरहानपुर जिले का खकनार क्षेत्र एक बार फिर नकली नोटों के चलन को लेकर सवालों के घेरे में है। प्रशासन की तमाम सख्ती के दावों के बावजूद, इलाके में नकली नोटों का कारोबार थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामले में, एक गरीब किसान को अपनी फसल के बदले 500 रुपये के नकली नोट थमा दिए गए, जिससे पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है।

### क्या है पूरा मामला ?

धाबा गांव के निवासी किसान नत्थू ने अपनी मेहनत की कमाई—मक्का की फसल—खकनार के व्यापारी गणेश मालवीय को बेची थी। आरोप है कि फसल के भुगतान के रूप में व्यापारी गणेश मालवीय ने किसान को जो नोट दिए, उनमें से एक नोट नकली थाद किसान जब बाजार में दैनिक जरूरतों का सामान खरीदने पहुंचा, तो दुकानदारों ने नोटों की पहचान नकली के रूप में की। सच्चाई पता चलते ही किसान के होश उड़ गए। वह तुरंत अपने साथियों के साथ वापस व्यापारी गणेश मालवीय के पास पहुंचा और उनसे जवाब मांगा।

### व्यापारी का अजीब तर्क

हैरानी की बात यह है कि जब किसान ने व्यापारी से नकली नोटों के बारे में बात की, तो व्यापारी ने अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया। व्यापारी ने यह मानने से साफ इनकार कर दिया साथ ही, उसने यह अजीब तर्क दिया कि "ये नोट तो व्यापार के दौरान किसी और ने मुझे दिए होंगे, मुझे इनकी जानकारी नहीं है।"

### क्या प्रशासन की सख्ती केवल कागजों तक सीमित ?

यह पहली बार नहीं है जब खकनार में नकली नोटों का मामला सामने आया है। कुछ महीने पहले ही देवास पुलिस ने नकली नोटों के एक बड़े गिरोह का पर्दाफाश किया था, जिसमें खकनार क्षेत्र के आस पास कुछ लोगों की संलिप्तता पाई गई थी। बावजूद इसके, स्थानीय स्तर पर ऐसे मामलों का बार-बार सामने आना यह दर्शाता है कि क्षेत्र में नकली नोटों का नेटवर्क अभी भी पूरी तरह सक्रिय है और माफियाओं को कानून का कोई खौफ नहीं है।

### जांच में जुटी खकनार पुलिस

फिलहाल, इस घटना के बाद खकनार पुलिस प्रशासन मामले की जांच में जुट गया है। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या पुलिस इस बार इस अवैध कारोबार की जड़ों तक पहुंच पाएगी और मुख्य सरगनाओं को सलाखों के पीछे भेज पाएगी? या फिर यह मामला भी पुरानी फाइलों में दबकर रह जाएगा?

# दुष्कर्म मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल, क्या 'सेटलमेंट' के खेल में पिसा निर्दोष

शिवपुरी। शहर के देहात थाना क्षेत्र में एक युवती के साथ हुई दरिंदगी की घटना ने जहां मानवता को शर्मसार किया, वहीं इस मामले की जांच के दौरान पुलिस की भूमिका पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लग गए हैं। आरोप है कि पुलिस ने असली अपराधियों पर कार्रवाई के बीच एक बेकसूर मेडिकल संचालक को मोहरा बनाकर अवैध वसूली की पटकथा लिख डाली।

**वारदात का संक्षिप्त घटनाक्रम**

बीते मंगलवार रात, अमन गार्डन में आयोजित एक विवाह समारोह से 20 वर्षीय युवती को उसके परिचित गौरव रावत ने बाहर बुलाया। गौरव अपने साथी शिवम रावत के साथ बाइक पर आया था और युवती को एक लॉज में ले गया, जहाँ उसके साथ दुष्कर्म किया गया। अत्यधिक रक्तस्राव (Bleeding) होने के कारण युवती की हालत बिगड़ गई, जिसे गंभीर अवस्था में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

असली मोड़ः निर्दोष मेडिकल संचालक और 10 हजार का 'डील' घटना के बाद जो कहानी निकलकर सामने आई है, वह पुलिस विभाग की छवि पर गहरा दाग लगाती है। बताया जा रहा है कि आरोपी गौरव रावत ने कोतवाली क्षेत्र की अनाज मंडी के पास स्थित एक मेडिकल स्टोर से 'ब्लड बंद करने की टैबलेट' खरीदी थी।

तथ्य जो चौंकाते हैंः आरोपियों ने युवती को टैबलेट खिलाई ही नहीं थी। देहात थाना पुलिस ने मुख्य आरोपियों के साथ-साथ मेडिकल संचालक आकाश को भी हिरासत में ले लिया। आकाश का कसूर सिर्फ इतना था कि उसने दवा बेची थी, जो किसी भी मेडिकल स्टोर का सामान्य व्यवसाय है।

भ्रष्टाचार की 'गाड़ी' और 10 हजार का ब्रेक-सूत्रों के अनुसार, मेडिकल संचालक आकाश को पुराने थाने में रखा गया। आरोप है कि वहां मौजूद एक दीवान जी द्वारा उसे डरा-धमकाकर मामले को रफा-दफा करने के एवज में 1 लाख की भारी-भरकम मांग की गई। जब दबाव बढ़ा और "सौदेबाजी" शुरू हुई, तो मामला धीरे-धीरे नीचे गिरता गया। अंततः, यह पूरा "न्याय का खेल" 10 हजार पर जाकर सिमट गया। 10 हजार लेते ही पुलिस ने मेडिकल संचालक को छोड़ दिया।

गंभीर सवालः मेडिकल संचालक का क्या कसूर? इस पूरे घटनाक्रम ने कई अनुत्तरित प्रश्न खड़े कर दिए हैं:

कानूनी आधारः क्या किसी आरोपी को दवा बेचना अपराध की श्रेणी में आता है? यदि नहीं, तो आकाश को हिरासत में क्यों लिया गया?

वसूली का खेलः अगर मेडिकल संचालक अपराधी था, तो उसे 10 हजार लेकर क्यों छोड़ा गया? और अगर वह निर्दोष था, तो उसे प्रताड़ित क्यों किया गया?

नैतिकताः क्या पुलिस का काम पीड़ित को न्याय दिलाना है या आपदा में 'अवसर' तलाश कर अपनी जेबें भरना?

# इंदौर सब्जी मंडी में जनसुविधाओं का विस्तार -प्याऊ की सफाई और नए कोल्ड वॉटर RO प्याऊ की सौगात

**आदित्य शर्मा**

इंदौर। शहर की प्रमुख सब्जी मंडी में आम नागरिकों, व्यापारियों और मजदूर वर्ग की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सराहनीय पहल की गई है। मंडी क्षेत्र में स्थित सभी प्याऊ (पेयजल स्थल) की बाहरी साफ-सफाई का विशेष अभियान चलाया गया, जिससे न केवल स्वच्छता व्यवस्था में सुधार हुआ है, बल्कि लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। इस अभियान के तहत पुराने प्याऊ की दीवारों, आसपास के क्षेत्र और जल निकासी व्यवस्था को व्यवस्थित किया गया। नियमित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए हैं, ताकि भविष्य में भी स्वच्छता बनी रहे। इसके साथ ही छावनी प्रांगण में एक नए अत्याधुनिक प्याऊ की स्थापना की गई है, जिसमें कोल्ड वॉटर और आरओ (रिवर्स ऑस्मोसिस) सिस्टम की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। यह नई व्यवस्था गर्मी के मौसम में लोगों को ठंडा और शुद्ध पानी उपलब्ध कराने में अत्यंत उपयोगी साबित होगी। स्थानीय लोगों और व्यापारियों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की सुविधाएं मंडी क्षेत्र में लंबे समय से आवश्यक थीं। स्वच्छ पानी और साफ-सफाई से न केवल स्वास्थ्य बेहतर होगा, बल्कि शहर की छवि भी मजबूत होगी। नगर प्रशासन द्वारा उठाया गया यह कदम जनहित में एक सकारात्मक प्रयास माना जा रहा है, जिससे इंदौर की स्वच्छता और सुविधाओं के स्तर को और मजबूती मिलेगी।

# तेज रफ्तार कार का कहर एक कि मौत दो गंभीर रूप से घायल

**प्रदीप सिंह बघेल**

शहडोल । शहडोल के खैरहा थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है। हरदी मेन रोड पर तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। इस भीषण सड़क दुर्घटना में बाइक सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा तफरी मच गई और स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई।

जानकारी के अनुसार, धमनी कला निवासी 52 वर्षीय रामरसीले सिंह अपने दो साथियों के साथ बाइक से एक शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे। इसी दौरान हरदी मेन रोड पर सामने से आ रही तेज रफ्तार कार ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि रामरसीले सिंह ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि उनके साथ बाइक में सवार दो लोग गंभीर रूप

से घायल हो गएघटना देख स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और तत्काल पुलिस को जानकारी दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया, जहां उनका इलाज जारी है। वहीं, पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कार को जब्त कर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। दोनों वाहनों को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। मामले में आगे की जांच जारी है।

# थाना नरवर पुलिस ने 06 साल से फरार स्थाई वारण्टी को गिरफ्तार कर किया माननीय न्यायालय पेश किया

**हेमंत भार्गव**

शिवपुरी। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी अमन सिह राठौड एवं अति. पुलिस अधीक्षक संजीव मूले, व एस.डी.ओ.पी. करैरा डॉ. आयुष जाखड़ के मार्गदर्शन मे फरार स्थाई वारण्टियो की धरपकड हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत मान. न्याया. शिवपुरी के प्र. क्र. 252/20 मे फरार स्थाई वारण्टी संतोष बाथम पुत्र घन्सूराम बाथम उम्र 38 साल नि. ढीमर मौहल्ला नरवर थाना नरवर को आज दिनांक 26.04.26 को स्थाई वारण्टी के घर से गिरफ्तार किया गया। उक्त स्थाई वारण्टी करीब 06 वर्ष से फरार था। गिरफ्तारशुदा स्थाई वारण्टी को मान. न्याया. मे पेश किया गया। सराहनीय कार्यवाही : निरीक्षक विनय यादव थाना प्रभारी नरवर, सउनि सतीश जयंत, सउनि

राधाकृष्ण बंजारा, प्र.आर. 201 सुनील भार्गव, आर. 874 प्रभजोत सिह, आर. 815 माधौ सिह, आर. 622 दीपक पुरोहित की सराहनीय भूमिका रही।

# एमपी विधानसभा का विशेष सत्र आज

## ● नारी शक्ति के सशक्तिकरण पर होगी चर्चा
## ● भाजपा और कांग्रेस दोनों की रणनीति तैयार

**भोपाल।** मध्य प्रदेश विधानसभा के 27 अप्रैल को प्रस्तावित विशेष सत्र में पहली बार संसद से पारित ना होने वाले बिल पर चर्चा होगी। इस सत्र में नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विस्तृत चर्चा होने जा रही है। महिला आरक्षण और महिलाओं के राजनीतिक सशक्तिकरण के मुद्दे पर सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ने अपनी-अपनी रणनीति तैयार कर ली है, जिससे सदन में तीखी बहस देखने को मिल सकती है। जानकारी के अनुसार, राज्य सरकार इस विशेष सत्र के जरिए महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और उनके राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर अपनी प्रतिबद्धता को प्रमुखता से सामने रखेगी और महिला सशक्तिकरण को लेकर चर्चा करेगी। वहीं, कांग्रेस 2023 में पारित महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का सदन में संकल्प पत्र

ला सकती हैं। बता दें केंद्र सरकार का सदन में महिला आरक्षण से जुड़ा लाया गया 131वां संविधान संशोधन बिल सदन में पारित नहीं हो सका। इसके बाद मध्य प्रदेश समेत देश में नारी शक्ति को लेकर सियासत गरमा गई। भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस समेत विपक्ष को नारी शक्ति का विरोधी बताते हुए आरक्षण लागू नहीं करने की बात कहीं। वहीं, कांग्रेस समेत विपक्ष ने भाजपा पर महिला आरक्षण को लेकर जनता को गुमराह करने और चुनाव में फायदा उठाने का आरोप लगाया। इसको लेकर भाजपा शासित राज्यों में महिलाओं के आरक्षण का बिल पारित नहीं होने को लेकर अभियान के तहत जनता तक बात पहुंचाई जा रही है। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश में भी एक दिवसीय विधानसभा का सत्र बुलाया गया है, जिसमें महिला आरक्षण पर चर्चा होगी। विशेष सत्र को देखते हुए दोनों दलों ने अपने विधायकों को सदन में मौजूद रहने के निर्देश दिए हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि महिला आरक्षण जैसे संवेदनशील और बड़े मुद्दे पर विधानसभा में होने वाली यह चर्चा आगामी राजनीतिक समीकरणों के लिहाज से भी अहम मानी जा रही है। इसमें भाजपा की महिला विधायक और महिला मंत्री सदन में सरकार की योजनाओं, स्थानीय निकायों में महिलाओं की बढ़ती भूमिका और सशक्तिकरण से जुड़े फैसलों को प्रमुखता से रखेंगी। वहीं कांग्रेस भी इस मुद्दे पर सरकार को घेरने की तैयारी में है।

## महिला आरक्षण का रामबाण फॉर्मूला

लोकसभा में नारी वंदन आरक्षण संशोधन बिल 2026 दो तिहाई बहुमत के अभाव में पारित नहीं हो सका। यानि इस बिल का मिसकैरिज हो गया। यह बात सब को मालूम थी कि इस बिल के साथ यही होगा। वो तो मोदी जी थे जो हाय तौबा मच रहे थे कि सदन में तैंतीस फीसद आसन महिलाओं के लिए रिजर्व कर दो। अपन को तो पहली से ही पता था कि यह बिल पास नहीं होगा और हुआ भी ऐसा ही। पूरा विपक्ष बोले तो अक्खा इंडिया ब्लाक शुरू से ही इस बिल के अपोजिशन में था। वो डर रहे थे कि यदि इतनी बड़ी तादाद में सदन में महिलाएं आ गईं तो सदन का लिंगानुपात बिगड़ जाएगा। महिलाओं को कौन नहीं जानता। जब वे बोलतीं हैं तो अच्छे - अच्छे मर्दों की बोलती ही बंद हो जाती हैं। मर्दों को एक डर ये भी है कि जब सुन्दर सुंदर विदुषी महिलाएं चुन कर आएंगी तो उनका क्या होगा। वह उनको देख कर वह अपनी सुध बुध और वो भाषण भी भूल जाएंगे जो वह रट्टा मारकर आए होंगे। वो उनकी तरफ देखते ही यह भी भूल जाएंगे कि आखिर उन्हें बोलना क्या था। ऐसे में सदन में वह दृश्य हो सकता है किसी बॉलीवुड फिल्म में हीरो हीरोइन का सामना होने के बाद दिखाया जाता है। दोनों अपनी सुध बुध भूल जाते हैं और नेपथ्य में संगीत बज रहा होता है। तुरु रु तुरू ..रू । परंतु भाइयों अपने पास ऐसा नायाब श्योर शॉट रामबाण फॉर्मूला है कि सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, सभी महिला आरक्षण के इस फॉर्मूला को तत्काल लागू करने के लिए उसी तरह एक जुट हो जाएंगे, जिस तरह सभी सांसद और विधायक अपना वेतन और भत्ता बढ़ाने के लिए एक जुट हो जाते हैं। कर्मचारी भले ही कभी अपने दफ्तरों पर टाइम से न पहुंचते हों पर हड़ताल में बिफोर टाइम धरना स्थल पर जा खड़े होते हैं। देश में सबसे पहली बार महिलाओं को विधायिकाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का विचार 1990 में सामने आया था।

# सिंधिया को हराने वाले केपी यादव का 'पावरफुल' कमबैक

### अमित शाह ने पूरा किया अपना वादा, लोकसभा चुनाव के समय दिया था भरोसा

**भोपाल।** 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ने वाले डॉ केपी यादव, जिन्हें सिंधिया के भाजपा में आने के बाद गुना लोकसभा से टिकट काट दिया था। अब उन्हें मध्य प्रदेश सरकार ने निगम मंडल में जगह दी है, जिसे लोग अमित शाह के द्वारा दिया हुआ वचन पूरा करने के रूप में भी देख रहे है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में लगातार निगम मंडल की नियुक्तियां की जा रही है। ऐसे में लंबे समय से निगम मंडल में अपने नेताओं को जगह दिलाने के लिए एमपी में जोर आजमाइश के साथ ही नेता दिल्ली तक दौड़ लगा रहे थे। ऐसे में शनिवार की देर रात गुना लोकसभा के पूर्व सांसद डॉ. केपी यादव को मध्यप्रदेश स्टेट सप्लाइज कॉरपोरेशन लि. में संचालक नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि 2019 में ज्योतिरादित्य सिंधिया को गुना

लोकसभा से डॉ. के पी यादव ने चुनाव हराया था और चर्चा में आए थे।

जिसके बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस की सरकार गिरा कर मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाई थी। इसके बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया राज्यसभा सांसद चुने गए और फिर 2024 के लोकसभा चुनाव में केपी यादव का टिकट काट कर गुना से ज्योतिरादित्य सिंधिया ने चुनाव लड़ा था। इस दौरान पिपरई में गृहमंत्री अमित शाह ने मंच से डॉ. केपी यादव को लेकर कहा था कि वह उनकी राजनीतिक भविष्य की चिंता करेंगे और फिर लंबे इंतजार के बाद मध्यप्रदेश सरकार ने गृहमंत्री अमित शाह के वादे को निभाया।

## सिंधिया एवं केपी यादव के बीच दूरियां जारी

उल्लेखनीय है कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं डॉक्टर केपी यादव में दूरियां जारी हैं। क्षेत्र में अक्सर सक्रिय ज्योतिरादित्य सिंधिया के शासकीय कार्यक्रमों में डॉ केपी यादव नदारद रहते हैं। वहीं क्षेत्र में होने वाले मुख्यमंत्री मोहन यादव के कार्यक्रम में डॉ केपी यादव सक्रिय भूमिका में नजर आए, जिससे क्षेत्र में मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री के बीच भी राजनीतिक खींचतान की खबर आती रहती हैं।

# लोधी सम्मेलन में साथ दिखेंगे उमा और प्रहलाद

## ● भोपाल की शौर्य यात्रा से सियासी संदेश की तैयारी

**भोपाल।** भोपाल के जंबूरी मैदान में 28 अप्रैल को स्वतंत्रता संग्राम के भूले-बिसरे नायकों और जनजातीय वीरों को सम्मान देने के उद्देश्य से बड़े स्तर पर शौर्य यात्रा आयोजित की जाएगी। क्रांतिवीर नर्मदा टाइगर हिरदेशाह लोधी के बलिदान दिवस पर होने वाले इस आयोजन के राजनीतिक मायने भी निकाले जा रहे हैं। इसे लोधी समाज के शक्ति प्रदर्शन के रूप में देखा जा रहा है।

### सीएम के साथ उमा-प्रहलाद एक मंच पर

कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय लोधी, लोधा, लोध क्षत्रिय महासभा मध्यप्रदेश, नर्मदा टाइगर हिरदेशाह शोध संस्था और गोंड महासभा द्वारा किया जा रहा है। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि होंगे, जबकि पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल

अध्यक्षता करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती की मौजूदगी को लेकर भी चर्चाएं तेज हैं, हालांकि उनका कार्यक्रम अभी अंतिम रूप से तय नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि वह उत्तराखंड प्रवास के बीच भोपाल पहुंचने का प्रयास कर रही हैं। यदि उमा भारती और प्रहलाद पटेल एक मंच साझा करते हैं तो इसे लोधी समाज में उनके प्रभाव और भाजपा के भीतर नए राजनीतिक संकेतों के तौर पर देखा जा सकता है। उमा भारती हाल के महीनों में फिर से सक्रिय नजर आ रही हैं और 2029 लोकसभा चुनाव लड़ने की इच्छा भी जाहिर कर चुकी हैं।

**प्रीतम लोधी प्रकरण के बाद बढ़ी राजनीतिक चर्चा-** इसी बीच पिछोर विधायक प्रीतम लोधी को लेकर भाजपा के नरम रुख ने भी चर्चाओं को हवा दी है। विवादित बयान के बावजूद पार्टी की ओर से सख्त कार्रवाई नहीं हुई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल से मुलाकात के बाद प्रीतम लोधी ने खेद जताया था। जानकारों का मानना है कि यह आयोजन भाजपा नेतृत्व को लोधी समाज की राजनीतिक हिस्सेदारी का संदेश देने की कोशिश भी हो सकता है। उमा भारती पहले भी समाज को अपने हितों के आधार पर राजनीतिक निर्णय लेने की बात कह चुकी हैं। वहीं, 2023 विधानसभा चुनाव के बाद प्रहलाद पटेल का नाम मुख्यमंत्री पद की चर्चाओं में भी रहा था।

## 30 सीटों पर लोधी समाज का प्रभाव

मध्य प्रदेश की करीब 25 विधानसभा सीटों पर लोधी समाज का प्रभाव माना जाता है। खासतौर पर ग्वालियर-चंबल और बुंदेलखंड क्षेत्र की कई सीटों पर यह वोट बैंक चुनावी नतीजों को प्रभावित करता है। शिवपुरी जिले की चार विधानसभा सीटों पर भी समाज की मजबूत पकड़ मानी जाती है। यही वजह है कि राजनीतिक दल, खासकर इस सामाजिक समीकरण को लेकर सतर्क रहते हैं। वहीं, आयोजकों का कहना है कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य इतिहास के उन वीरों को सम्मान देना है, जिन्हें पर्याप्त पहचान नहीं मिल सकी। शौर्य यात्रा में हिरदेशाह लोधी, गोंड राजा डेलन शाह, नरवर शाह, मधुकर शाह बुंदेला और गजराज सिंह समेत कई स्वतंत्रता सेनानियों एवं जनजातीय योद्धाओं को याद किया जाएगा। प्रदेशभर के साथ अन्य राज्यों से भी समाज के लोगों के शामिल होने की संभावना है। ऐसे में यह आयोजन ऐतिहासिक विरासत को सम्मान देने के साथ-साथ आगामी राजनीतिक समीकरणों से पहले लोधी समाज की ताकत के प्रदर्शन के तौर पर भी देखा जा रहा है।

### महिला आरक्षण पर कांग्रेस पर भड़के सीएम मोहन यादव

# मुख्यमंत्री बोले-पांच पीढ़ियों ने रोके महिलाओं के अधिकार

**भोपाल।** भोपाल में रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने अलग अंदाज में नजर आए। वे अचानक वीआईपी रोड स्थित एक रेस्टोरेंट पहुंचे, जहां उन्होंने आम लोगों के बीच बैठकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना और लोगों से संवाद किया। मुख्यमंत्री को अपने बीच पाकर वहां मौजूद लोग उत्साहित दिखे। इस दौरान उन्होंने युवाओं और नागरिकों से चर्चा करते हुए कई मुद्दों पर अपनी बात रखी। मुख्यमंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से कांग्रेस नेतृत्व ने महिलाओं के अधिकारों को लेकर सकारात्मक भूमिका नहीं निभाई। उन्होंने जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा का जिक्र करते हुए कहा कि कांग्रेस की कई पीढ़ियों ने महिलाओं के अधिकारों को लेकर नकारात्मक रवैया अपनाया। सीएम ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की वजह से महिलाओं को उनका अधिकार मिलने में देरी हुई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने महिलाओं को 33

प्रतिशत आरक्षण देने का ऐतिहासिक फैसला लिया, लेकिन विपक्षी दलों ने इसका विरोध किया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को विधानसभा में भी मजबूती से उठाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्य प्रदेश में लगातार तीसरे साल जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है और इसके सकारात्मक नतीजे सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुएं, बावड़ियों और पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने का काम तेजी से किया जा रहा है। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार किसानों के हितों के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि सरकार गेहूं के साथ-साथ चना और मसूर की भी खरीदी कर रही है, ताकि किसानों को बेहतर लाभ मिल सके।

## भारतीय महिला टीम ने यूक्रेन पर हासिल की जीत

### क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की उम्मीद जगी

**नई दिल्ली।** भारतीय महिला टीम ने उबर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप ए के अपने दूसरे मुकाबले में यूरोपीय चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता यूक्रेन पर 4-1 की शानदार जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। भारतीय टीम अपने पहले मुकाबले में मेजबान डेनमार्क से 2-3 से हार गई थी। यूक्रेन के खिलाफ भारत की युवा खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया।

**सिंधू को दिया आराम-** उन्नति हुडा ने पोलिना बुहरोवा पर 21-19, 22-20 की रोमांचक जीत के साथ शुरुआत की, जिसके बाद जूनियर विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा ने येवहेनिया कांटेमिर को 21-12, 17-21, 21-10 से हराकर भारत की बढ़त दोगुनी कर दी।

# बैडमिंटन में हुआ बड़ा बदलाव, अब 15×3 स्कोरिंग सिस्टम से होंगे मैच

**नई दिल्ली।** बैडमिंटन मैच अब 21म3 नहीं, बल्कि 15म3 स्कोरिंग सिस्टम से खेले जाएंगे। मैच अब 21-21 के तीन गेम की जगह 15-15 के तीन गेम खेले जाएंगे। इस नए स्कोरिंग सिस्टम पर शनिवार को डेनमार्क के होर्सेन्स में बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में भारी बहुमत से मुहर लगा दी गई। बैठक में पेश प्रस्ताव को मतदान में 198-43 के अंतर से पारित किया गया है। नया सिस्टम चार जनवरी, 2027 से लागू किया जाएगा।

**बीडब्ल्यूएफ की अध्यक्ष ने किया स्वागत-** बीडब्ल्यूएफ का तर्क है कि नए सिस्टम से खेल में हाई प्रेशर मूवमेंट जल्दी आएंगे और रोमांचकता बढ़ जाएगी। बैडमिंटन में 21 प्वाइंट वाला मौजूदा प्रारूप साल 2006 में लागू किया गया था। इस प्रारूप में मैच लगातार 45 मिनट से 100 मिनट तक खिंच रहे थे, जिससे प्रसारक नाराज थे। उनकी मांग थी कि पांचों सेगमेंट (पुरुष और महिला एकल, युगल और मिश्रित) के मुकाबले तीन घंटे के भीतर खत्म होने चाहिए। बीडब्ल्यूएफ की अध्यक्ष खुनयिंग पटामा लीस्वाड्ट्राकुल ने कहा कि यह फैसला बैडमिंटन के भविष्य के लिए एक अहम मील का पत्थर है।

### ये होंगे प्रमुख बदलाव

- 60 सेकेंड का मिडगेम ब्रेक 11वें के बजाय 8वें प्वाइंट पर होगा।
- दो गेम के बीच के ब्रेक की अवधि 120 सेकेंड रखी जाएगी।
- 15 प्वाइंट पर पहुंचकर खिलाड़ी को दो प्वाइंट का अंतर बनाना होगा।
- प्वाइंट्स की अधिकतम सीमा 30-29 के बजाय अब 21-20 होगी।

## 'भूत बंगला' की फ्रेंचाइजी बनाना चाहती हैं एकता कपूर

अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी की कमबैक फिल्म 'भूत बंगला' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं हासिल हुई हैं। वहीं बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म उम्मीद से धीमी ही कमाई कर रही है। लेकिन ऐसा लगता है कि मेकर्स फिल्म के प्रदर्शन से संतुष्ट हैं, तभी वो फिल्म के सीक्वल पर विचार कर रहे हैं। जी हां सही सुना आपने, प्रोड्यूसर एकता कपूर भूत बंगला का सीक्वल बनाना चाहती हैं और वो इसे एक फ्रेंचाइजी के तौर पर विकसित करना चाहती हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'भूत बंगला' की निर्माता एकता कपूर फिल्म के सीक्वल पर विचार कर रही हैं। उनकी योजना इसे एक फुल-फ्लेज्ड फ्रैंचाइज में बदलने की भी है। एकता कपूर के करीबी एक सूत्र ने बताया, 'भूत बंगला को परिवारों से मिल रहे प्यार और प्रतिक्रिया को देखते हुए निर्माता निश्चित रूप से इस फ्रेंचाइज को आगे बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। यह एक रोमांचक क्षेत्र है और इसलिए सीक्वल बनने की पूरी संभावना है।' हालांकि यह प्रोजेक्ट अभी शुरुआती चरण में है, लेकिन हॉरर-कॉमेडी जॉनर में एकता की रुचि को देखते हुए, वह इस क्षेत्र में और भी कहानियों के साथ वापसी करना चाहती हैं।

'भूत बंगला' के जरिए अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की जोड़ी ने 14 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की है। इस हॉरर-कॉमेडी फिल्म को समीक्षकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई है। हालांकि, फिल्म को अक्षय-प्रियदर्शन की जोड़ी के फैन काफी पसंद भी कर रहे हैं। लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की शुरुआत उतनी दमदार नहीं रही, जितनी उम्मीद थी। शुरुआती पांच दिनों में खबर लिखे जाने तक फिल्म सिर्फ 70 करोड़ रुपए की कमाई ही कर पाई है।

## धुरंधर के बाद सारा अर्जुन के हाथ लगा बड़ा प्रोजेक्ट!

### प्रोजेक्ट से जुड़े संजय लीला भंसाली

**बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री मधुबाला पर लंबे समय से बायोपिक बनने को लेकर चर्चा चल रही है। अब खबर आ रही है कि इस प्रोजेक्ट में 'धुरंधर' फेम सारा अर्जुन मधुबाला की भूमिका निभाएंगी। इस प्रोजेक्ट में पहले कई बार देरी हुई है, मगर अब फिल्म के आगे बढ़ने की संभावना है। खबर यह भी है कि सिनेमाघरों में रिलीज होने के बजाय, यह फिल्म सीधे ओटीटी पर रिलीज होगी।**

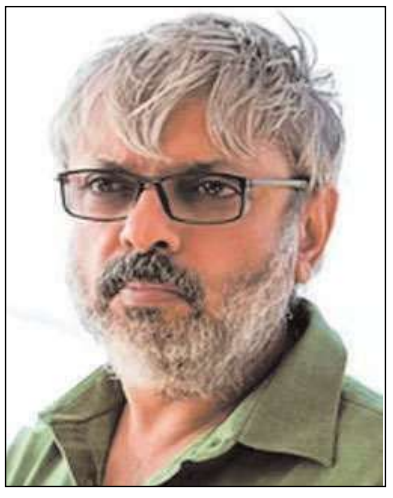

### प्रोजेक्ट से जुड़े संजय लीला भंसाली

वैरायटी इंडिया के मुताबिक अपकमिंग फिल्म का प्रोडक्शन जुलाई 2026 से शुरू होने वाला है। यह फिल्म पहले कुछ आर्थिक दिक्कतों की वजह से टल गई थी। अब संजय लीला भंसाली एक प्रोड्यूसर के तौर पर इस प्रोजेक्ट से जुड़े हैं। उम्मीद है कि यह प्रोजेक्ट बिना किसी रुकावट के आगे बढ़ेगा।

### सारा ने लुक में किए बदलाव

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सारा अर्जुन ने इस फिल्म के लिए अपने लुक में बदलाव किए हैं। उन्होंने मधुबाला के रोल के लिए काम करना शुरू कर दिया है। दूसरी तरफ, दिलीप कुमार और किशोर कुमार जैसे दूसरे किरदारों के लिए कास्टिंग जारी है।

### इन कलाकारों के नाम पर हो चुकी चर्चा

दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में पहले कियारा आडवाणी को लीड रोल के लिए जा रहा था। सारा से पहले जिन दूसरी एक्ट्रेस को यह रोल ऑफर किया गया था, उनमें कल्याणी प्रियदर्शन, शरवरी और अनीत पड्डा भी शामिल थीं। हालांकि, एक्ट्रेस या मेकर्स की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

### कई पहलुओं के दिखाएगी फिल्म

यह अनटाइटल्ड फिल्म इंडस्ट्री में मधुबाला के शानदार करियर के साथ-साथ उनकी पर्सनल लाइफ और मुश्किलों को भी दिखाने की कोशिश करेगी। दिलीप कुमार के साथ उनके रिश्ते से लेकर म्यूजिशियन किशोर कुमार के साथ उनकी शादी तक, यह फिल्म मधुबाला की जिंदगी के सभी उतार-चढ़ाव को दिखाएगी।

# राघव चड्ढा समेत 7 बागियों के खिलाफ 'राइट टु रीकॉल' का इस्तेमाल करना चाहती है आप

## संवैधानिक स्तर पर मामला उठाना चाहती है आप

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और हरभजन सिंह समेत सात सांसदों के बीजेपी में शामिल होने से आम आदमी पार्टी (आप) को तगड़ा झटका लगा है। इस मामले को लेकर आप नेताओं और जानकारों का कहना है कि अब पार्टी राज्यसभा के चेयरमैन सीपी राधाकृष्णन और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से इन सांसदों के खिलाफ एक्शन की मांग कर सकती है। बता दें कि पंजाब में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। चुनाव से पहले यह आम आदमी पार्टी के लिए बड़ा झटका है। इसका असर निश्चित तौर पर विधानसभा चुनाव में दिखाई देगा।

राज्यसभा सांसद और आप के वरिष्ठ नेता संजय सिंह ने कहा कि वह इन सांसदों के खिलाफ ऐक्शन के लिए उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन को पत्र लिखेंगे और सातों सांसदों को अयोग्य ठहराने की मांग करेंगे। संजय सिंह ने कहा, जिस तरह से सात सांसद बीजेपी में गए हैं, यह असंवैधानिक और संसदीय नियमों के खिलाफ है। मैं

राज्यसभा के सभापति को पत्र लिखूंगा और मांग करूंगा कि इन सांसदों को अयोग्य ठहराया जाए।

उन्होंने कहा, 'दलबदल विरोधी कानून के अनुसार राज्यसभा और लोकसभा में किसी तरह का अलग गुट मान्य नहीं होता, चाहे उसमें दो-तिहाई सदस्य ही क्यों न हों।' उन्होंने यह भी कहा कि इन सात सांसदों का भाजपा में जाना पूरी तरह 'असंवैधानिक' और 'गैरकानूनी' है। आम आदमी पार्टी इस पूरे मामले को संवैधानिक स्तर पर आगे बढ़ाना चाहती है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भी राष्ट्रपति से मुलाकात करने के लिए अपॉइनमेंट मांगा है। जानकारों का कहना है कि आम आदमी पार्टी चाहती है कि इन सभी सांसदों से राज्यसभा की सदस्यता वापस ले ली जाए। इसके लिए वह 'राइट टु रीकॉल' का इस्तेमाल करना चाहती है। हालांकि जानकारों का कहना है कि संविधान में इस तरह का प्रावधान नहीं है। अगर जनता चाहे तो चुने गए प्रतिनिधि को कार्यकाल खत्म होने से पहले हटा सकती है। इसे 'राइट टु रिकॉल' कहते हैं।

शुक्रवार को एक चौंकाने वाले घटनाक्रम में, आम आदमी पार्टी के सात राज्यसभा सदस्य भाजपा में शामिल हो गए, जिनमें से छह पंजाब से हैं।

### भाजपा में शामिल होने की चर्चा

# पंजाब सरकार ने छीनी हरभजन सिंह की सुरक्षा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पंजाब सरकार ने राज्यसभा सांसद और पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह की सुरक्षा वापस ले ली है। उनके घर के बाहर तैनात सुरक्षाकर्मियों को भी हटा लिया गया है। इससे पहले राघव चड्ढा की भी सुरक्षा छीन ली गई थी। हालांकि, उन्हें केंद्र सरकार की तरफ से वाई कैटेगरी की सुरक्षा प्रदान की गई। अब हरभजन को भी ऐसी ही सुरक्षा मिलने की संभावना है। आपको बता दें कि पंजाब सरकार ने उन्हें जेड कैटेगरी की सुरक्षा दी थी।

हाल ही में आम आदमी पार्टी से भाजपा में शामिल हुए राघव चड्ढा ने दावा किया था कि हरभजन सिंह भी आम आदमी पार्टी छोड़ने वाले 7 सांसदों में शामिल हैं। हालांकि, हरभजन सिंह ने अभी तक इस मामले में कोई बयान नहीं दिया है। इस मामले में खूब राजनीति हो रही है। भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शनिवार को राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह, अशोक मित्तल और राजिंदर गुप्ता के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। लुधियाना और जालंधर में कार्यकर्ताओं ने स्प्रे पेंट से उनके घरों की चारदीवारी पर 'गद्दार' लिखा। प्रदर्शनकारियों ने 'पंजाब दे गद्दार' के नारे लगाते हुए उन पर पंजाब की जनता के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया। राघव चड्ढा ने भाजपा में शामिल होने के बाद कहा कि सभी सात सांसद भाजपा में सम्मिलित हो गए हैं। उन्होंने कहा, 'जिस आम आदमी

पार्टी को मैंने अपने खून-पसीने से सींचा, अपनी जवानी के 15 साल दिए, वह अपने सिद्धांतों, मूल्यों और नैतिकता से पूरी तरह भटक गई है।'' आपको बता दें कि हाल ही में राघव चड्ढा को राज्यसभा में आम आदमी पार्टी के उपनेता पद से हटा दिया गया और उनकी जगह मित्तल को नियुक्त किया गया था। उन्होंने पार्टी के 10 सांसदों का संदर्भ देते हुए कहा, ''संविधान के अनुसार, किसी पार्टी के कुल सांसदों में से दो-तिहाई सांसद दूसरी पार्टी में सम्मिलित हो सकते हैं।'' राघव चड्ढा ने कहा, ''उन्होंने (सांसदों) पहले ही हस्ताक्षर कर दिए थे, और आज सुबह हमने राज्यसभा के सभापति को हस्ताक्षरित पत्रों और अन्य औपचारिक दस्तावेजों समेत सभी आवश्यक दस्तावेज सौंप दिए। राघव चड्ढा और संदीप पाठक ने शुक्रवार को पांच अन्य सांसदों के साथ पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल होने की घोषणा की।

### दिल्ली के बदरपुर की 50 कॉलोनियों को ओ-जोन से बाहर करने की मांग तेज

**दक्षिणी दिल्ली, एजेंसी।** बदरपुर विधानसभा क्षेत्र के नहरपार मीठापुर, सौरभ बिहार, हरिनगर, जैतपुर विस्तार, पार्ट-एक, पार्ट-दो के लोग 50 कालोनियों को ओ-जोन से बाहर किए जाने की मांग कर रहे हैं, ताकि सड़क-सीवर से लेकर विकास के अन्य काम जनहित में कराए जा सकें। इस मुद्दे पर हाल ही में क्षेत्रीय निवासियों ने बैठक भी की। समाजसेवी सरजीत चौकन के मुताबिक दिल्ली की 1731 कालोनियों में से 1511 कालोनियों को पास कर दिया गया, जबकि 220 कालोनियों को छोड़ दिया गया है, जिनमें बदरपुर विधानसभा क्षेत्र का जो 50 अनधिकृत कालोनियां भी हैं। रिकार्ड में इन्हें यमुना किनारे दिखाया गया है, जबकि नदी किनारे से इनकी दूरी तीन से चार किलोमीटर है। शहरी विकास मंत्रालय के अंतर्गत डीडीए द्वारा जो कारण बताया गया है वह ओ-जोन का मामला है।अब सवाल यह है कि जब यमुना किनारे से जो कालोनियां तीन से चार किलोमीटर की दूरी पर हैं, उसे कागजों में कैसे नदी की तलहटी में दिखाया गया।

# किसे मिलेगी जगह, कौन होगा बाहर; जानें कैसी होगी नितिन नवीन की नई टीम

**नई दिल्ली, एजेंसी।** चार मई को पांच विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद भाजपा की नई केंद्रीय टीम गठित की जाएगी। इसके लिए पार्टी देशभर के चुनिंदा युवा नेताओं को लेकर मंथन कर रही है, जिनको भविष्य की भाजपा के लिए नए नेतृत्व के साथ आगे लाया जा सके। नई केंद्रीय टीम में लगभग आधे पदाधिकारियों की उम्र 50 साल से कम होने की संभावना है। नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने के बाद अब उनकी टीम को भी युवा स्वरूप देने की कवायद की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, देशभर के प्रमुख युवा नेताओं को राष्ट्रीय टीम में लाने के लिए मंथन चल रहा है। संगठन के एक प्रमुख नेता देशभर के लगभग 50 प्रमुख युवा नेताओं के नाम पर इस बारे में विचार कर रहे हैं। इनमें से लगभग दो दर्जन नेताओं को दिल्ली लाया जा सकता है। इसमें क्षेत्रीय व सामाजिक समीकरणों का भी ध्यान रखा जा रहा है। चुनाव नतीजों के बाद संगठन पर ध्यान देगी पार्टी। बीते साल दिसंबर में भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद नितिन नवीन ने इस साल 20 जनवरी को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार संभाला था। इसके बाद से ही उनकी टीम को इंतजार किया जा रहा है। चूंकि भाजपा नेतृत्व के सामने उस समय संसद और पांच विधानसभाओं के चुनाव थे, इसलिए इसके बाद नई टीम को अंतिम रूप देने का विचार किया गया। अब जबकि चार मई को विधानसभा चुनावों के नतीजे आ जाएंगे तो पार्टी चुनावी मोड से संगठन मोड में आ जाएगी। सूत्रों के कहना है कि केंद्रीय टीम में युवा व अनुभव का समन्वय किया जाएगा। केंद्र सरकार से भी कुछ मंत्रियों को संगठन में लाए जाने की संभावना है। नई टीम को अगले एक दशक की संगठन की जरूरतों के अनुसार तैयार किया जाना है।

# दिल्ली में फिर टूटा रिकॉर्ड, सबसे गर्म रही रविवार की सुबह; 26 डिग्री के पार पहुंचा न्यूनतम तापमान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** लगातार बढ़ती गर्मी के बीच अब रविवार की सुबह इस सीजन की सबसे गर्म रही है। न्यूनतम तापमान 26 डिग्री के पार चला गया। उधर दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'खराब' ही बनी हुई है। रविवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 26.2 डिग्री दर्ज किया गया। दिन का तापमान 43 से 44 डिग्री सेल्सियस के करीब रह सकता है। दिन में आकाश साफ रहेगा, तेज धूप भी खिली रहेगी।

**'खराब' श्रेणी में दिल्ली की हवा:** रविवार को 10 बजे दिल्ली का एक्यूआई 223 दर्ज किया गया। इसे 'खराब' श्रेणी में रखा जाता है। एनसीआर के शहरों में भी हवा मध्यम से खराब श्रेणी में ही चल रही है। पूर्वानुमान है कि हाल फिलहाल इसमें बहुत अधिक बदलाव नहीं होगा।

**गर्म हवाओं से बेहाल हुए लोग:** उधर, दिल्ली से सटे नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम में भी गर्मी ने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं। शनिवार को तेज धूप और लू जैसी गर्म हवाओं ने लोगों को परेशान कर दिया। हालात ऐसे रहे कि दिन

के समय सड़कों और बाजारों में सन्नाटा पसरा नजर आया। गुरुग्राम में अधिकतम तापमान 40.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पारा 40 के पार जाते ही गर्मी का असर और तेज महसूस होने लगा है। मौसम विभाग ने बढ़ती गर्मी को देखते हुए येलो अलर्ट जारी किया है और लोगों को लू से बचाव के लिए सतर्क रहने की सलाह दी है। खासतौर पर दोपहर के समय बाहर निकलने से बचने और पर्याप्त पानी पीने की हिदायत दी गई है। गर्मी से राहत पाने के लिए लोग ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेते दिखे, वहीं बच्चों और बुजुर्गों के लिए यह मौसम अधिक संवेदनशील बना हुआ है। लू और तेज हवाओं का असर रहा। शनिवार को आसमान में आंशिक बादल छाए रहने के बावजूद गर्मी का प्रभाव कम नहीं हुआ। दिनभर 20 से 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलती रहीं, जबकि झोंके 40 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचे। इन गर्म हवाओं ने तापमान के असर को और बढ़ा दिया, जिससे दिन के समय बाहर निकलना मुश्किल रहा।

# विश्व शांति एवं मानव कल्याण की कामना

**28 अप्रैल को धार्मिक नगरी उज्जैन में विश्व शांति एवं मानव कल्याण की कामना को लेकर शिवशक्ति महायज्ञ का धार्मिक आयोजन होने जा रहा है। वर्तमान समय में विश्व में जारी युद्ध विभीषिका एवं पीड़ित मानवता की रक्षा के उद्देश्य से महायज्ञ के साथ ही संगीतमय 1108 हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ भी किया जायेगा।**

यह कार्यक्रम मंगलवार, 28 अप्रैल 2026 को प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक यज्ञ-पाठ के रूप में आयोजित होगा, वहीं हनुमान चालीसा

पाठ दोपहर 3:30 बजे से प्रारंभ होगा। आयोजन का स्थल पशुपतिनाथ मंदिर परिसर, चामुंडा माता मंदिर के सामने निर्धारित किया गया है। कार्यक्रम में श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर स्वामी शांतिस्वरूपानंद गिरी महाराज,, आचार्य पूज्य श्री अखिलेश महाराज जी का आशीर्वचन प्राप्त होगा। कार्यक्रम के संरक्षण श्री नारायण यादव दादा दयालु, सांसद श्री अनिल फिरोजिया, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेड़ा,, कार्यक्रम संयोजक श्री दीपक बेलानी जी, सुश्री अक्षता यादव,,, कार्यक्रम की जानकारी श्रीमती रेखा जी चंदेल ने दी व साथ ही श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्म लाभ लेने एवं विश्व शांति की प्रार्थना में सहभागी बनने की अपील की है।